Literacy for a Billion

Movie: Naya Daur
Year: 1957

Song: Yeh Desh Hai Veer
Lyricist: Sahir Ludhianvi

हो ...
आ हा ...

ओ ...
ये देश है वीर जवानों का
अलबेलों का मस्तानों का
इस देश का यारों हे
इस देश का यारों क्या कहना
ये देश है दुनिया का गहना

ओ ...
यहाँ चौड़ी छाती वीरों की
यहाँ भोली शकलें हीरों की
यहाँ गाते हैं राँझे हो
यहाँ गाते हैं राँझे मस्ती में
मचती हैं धूमें बस्ती में

ओ ...
पेडों पे बहारें झूलों की
राहों में क़तारें फूलों की
यहाँ हँसता है सावन होय

यहाँ हँसता है सावन बालों में
खिलतीं हैं कलियाँ गालों में

ओ ...
कहीं दंगल शोख़ जवानों के
कहीं करतब तीर कमानों के
यहाँ नित नित मेले होय
यहाँ नित नित मेले सजते हैं
नित ढोल और ताशे बजते हैं

ओ ...
दिलबर के लिए दिलदार हैं हम
दुश्मन के लिए तलवार हैं हम
मैदाँ में अगर हम
मैदाँ में अगर हम डट जाएँ
मुश्किल है कि पीछे हट जाएँ

हा ...
अड़ी पा ...
हे ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.